भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †954

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हरित पर्यटन को प्रोत्साहन

†954. श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:
श्री अरविंद गणपत सावंत:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत का पर्यटन क्षेत्र एशिया प्रशांत क्षेत्र में सबसे मजबूत रिकवरी दर्शा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पचास नए पर्यटन स्थल खोलने पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उन देशों और राज्यों के नाम क्या हैं जिनमें यह अभियान शुरू किया गया है;

(ङ) इन पचास नए पर्यटन स्थलों की पहचान किन-किन राज्यों में की गई है, महाराष्ट्र राज्य सहित जिला-वार ब्यौरा क्या है तथा आकांक्षी जिले उस्मानाबाद में उक्त योजना की स्थिति क्या है;

(च) क्या प्रस्तावित गंतव्यों को अपेक्षित अवसंरचना और संपर्क मार्ग प्रदान की गई है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार, विशेषकर महाराष्ट्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (छ): मई 2024 के यूएनडब्ल्यूटीओ बैरोमीटर के अनुसार एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में तेजी से बहाली हो रही है जहां वर्ष 2024 की प्रथम तिमाही में आगमन महामारी से पूर्व के स्तर के 82% तक पहुंच गया । एशिया और प्रशांत क्षेत्र में भारत में

सबसे अधिक सुधार देखा गया है जहां उसी अवधि के दौरान आगमन महामारी से पूर्व के स्तर के 89**%** तक पहुंच गया है ।
भारत को स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन हेतु एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभ चिह्नित किए गए हैं :

(i) पर्यावरणीय स्थायित्व का संवर्धन
(ii) जैव विविधता का संरक्षण
(iii)आर्थिक स्थायित्व का संवर्धन
(iv)सामाजिक - सांस्कृतिक स्थायित्व का सवंर्धन
(v) स्थायी पर्यटन के प्रमाणन हेतु योजना
(vi)आईईसी और क्षमता निर्माण
(vii) शासन

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 का नया रूप दिया है जिसका मिशन देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और स्थानीय सरकारों के सहयोग से पर्यटन स्थलों के एकीकृत विकास हेतु एक मजबूत कार्यढांचा बनाना है ।

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत अब तक 32 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के 57 गंतव्यों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है । इनका विवरण अनुबंध-**I** में दिया गया है ।

स्वदेश दर्शन 2.0 की **"**चुनौती आधारित गंतव्य विकास**"** नामक उप-योजना का लक्ष्य हमारे पर्यटक स्थलों को स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के रूप में परिवर्तित करने के लिए संपूर्ण पर्यटन मूल्य श्रृंखला में पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने हेतु गंतव्यों का समग्र विकास करना है । इस योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने 4 श्रेणियों यथा **(i)** संस्कृति और विरासत गंतव्य **(ii)** आध्यात्मिक पर्यटन **(iii)** इको पर्यटन और अमृत धरोहर गंतव्य तथा **(iv)** वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम गंतव्य के अंतर्गत 42 गंतव्य चिह्नित किए हैं । इको पर्यटन और अमृत धरोहर की श्रेणी के अंतर्गत चिह्नित गंतव्यों का विवरण अनुबंध-**II** में दिया गया है ।

*****

अनुबंध-I

श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे, श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे, श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर एवं श्री अरविंद गणपत सावंत द्वारा हरित पर्यटन को प्रोत्साहन के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †954 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत चिह्नित गंतव्यों **की सूची:**

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	चिह्नित गंतव्य
1.	**आंध्र प्रदेश**	**गंडिकोटा, अराकू-लाम्बासिंगी**
2.	**अरुणाचल प्रदेश**	**नाचो, मेचुका**
3.	**असम**	**जोरहाट, कोकराझार**
4.	**बिहार**	**गया, नालंदा**
5.	**छत्तीसगढ़**	**बिलासपुर, जगदलपुर**
6.	**गोवा**	**पोरवोरिम, कोल्वा**
7.	**गुजरात**	**धोलावीरा, द्वारका**
8.	**हरियाणा**	**पंचकूला (मोरनी)**
9.	**हिमाचल प्रदेश**	**पोंग बांध**
10.	**जम्मू और कश्मीर**	**बशोली**
11.	**झारखंड**	**चांडिल**
12.	**कर्नाटक**	**हम्पी, मैसूर**
13.	**केरल**	**कुमारकोम, कोझिकोड (बेपोर)**
14.	**मध्य प्रदेश**	**ग्वालियर, चित्रकूट**
15.	**महाराष्ट्र**	**सिंधुदुर्ग, अजंता-एलोरा**
16.	**मणिपुर**	**मोइरांग (बिष्णुपुर)**
17.	**मेघालय**	**शिलांग, सोहरा**
18.	**मिजोरम**	**आइजोल, चम्फाई**
19.	**नागालैंड**	**निउलैंड, चुमुकेदिमा**
20.	**ओडिशा**	**'खिंडा गांव'** के **विशेष आकर्षण** सहित **कोरापुट, देबरीगढ़**
21.	**पंजाब**	**अमृतसर, कपूरथला**
22.	**राजस्थान**	**बूंदी (केशोरायपाटन), जोधपुर**

23.	सिक्किम	गंगटोक, ग्यालशिंग
24.	तमिलनाडु	मामल्लपुरम, नीलगिरी
25.	तेलंगाना	भोंगिर, अनंतगिरी
26.	त्रिपुरा	अगरतला, उनाकोटि
27.	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज, नैमिषारण्य
28.	उत्तराखंड	पिथौरागढ़, चम्पावत
29.	चंडीगढ़	चंडीगढ़
30.	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप
31.	पुदुचेरी	पुडुचेरी, कराईकल
32.	लद्दाख	लेह, कारगिल
	कुल	57

*****

अनुबंध-**II**

श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे, श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे, श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर एवं श्री अरविंद गणपत सावंत द्वारा हरित पर्यटन को प्रोत्साहन के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †954 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में विवरण

इको पर्यटन **और अमृत धरोहर** की **श्रेणी में चुनौती आधारित गंतव्य विकास के** तहत चिह्नित **गंतव्यों की सूची:**

क्र. सं.	गंतव्य	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**
1.	**बिचोम बांध**	**अरुणाचल प्रदेश**
2.	**शिवसागर**	**असम**
3.	**मयाली बगीचा**	**छत्तीसगढ़**
4.	**मयेम गांव**	**गोवा**
5.	**थोल गांव**	**गुजरात**
6.	**उडुपी**	**कर्नाटक**
7.	**मुश्कोह गांव**	**लद्दाख**
8.	**लक्षद्वीप**	**लक्षद्वीप**
9.	**दोयांग जलाशय**	**नागालैंड**
10.	**कामारेड्डी**	**तेलंगाना**

*****